BCM School Basant Avenue Ludhiana
Class VI
Subject - Hindi

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-
ज्ञान वृद्धि और आनंद की प्राप्ति का एक प्रमुख साधन अध्ययन है। वह आत्म-संस्कार के विधान का एक अंग है। किसी जाति के साहित्य में गति प्राप्त करने का कोई और द्वार नहीं है। किसी जाति के भाव और विचार साहित्य में ही व्यक्त रहते हैं तथा उसी में उसकी उन्नति के क्रम का लेख रहता है। मनुष्य जाति के सुख और कल्याण के विषय में संसार में प्रतिभा सम्पन्न लोगों ने जो सिद्धांत स्थिर किए हैं उन्हें जानने का साधन स्वाध्याय ही है। जो पढ़ता है नहीं, उसे इस बात की खबर ही नहीं रहती कि मनुष्य की ज्ञान परंपरा किस सीमा तक पहुंच चुकी है। वह और यह जानता ही नहीं कि मनुष्यों के श्रम से एक मार्ग तैयार हो चुका है।

ऊपर लिखे हुए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) शिक्षा का क्या उद्देश्य है?
(ख) किस प्रकार की शिक्षा व्यर्थ है?
(ग) मनुष्य के जीवन में आत्मिक ज्ञान का क्या महत्व है?
(घ) उपयुक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

2. लिंग की दृष्टि से निम्न वाक्य शुद्ध कीजिए:-
1. हमारी देश संसार की सबसे सुंदर देश है।
2. मुझे आपकी नाम याद नहीं रही।
3. यह पंखा बहुत तेज चल रही है।

3. मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए:-
क) चेहरा उतर जाना
ख) उल्लू बनाना

4. आनीर ने अपने अथक परिश्रम और कर्मठता के बल पर क्या हासिल किया?
5. आनीर की माँ ने जीविकोपार्जन के लिए क्या किया?